http://www.developindiagroup.co.in/

जे.पी.एस.सी.

6वीं झारखण्ड राज्य सिविल सेवा

मुख्य परीक्षा अध्ययन सामग्री

पूर्णतः संशोधित एवं अद्यतन

भारतीय अर्थव्यवस्था, भूमंडलीकरण और सतत् विकास

प्रश्नपत्र – V

Prepared by

Develop India Group

PUBLISHED BY

Develop India Group

Allahabad (U.P.), India
Mobile : 08756987953
email : subscriptiondevelopindia@gmail.com
Website : https://developindiagroup.co.in/
Edition : 2019

Develop India Group Aims

We conduct Study Material Programme, All India Correspondence Courses, Test Series Programmes for various competitive exams. All things prepared by our expert faculties. Our aims to provide quality of comprehensive materials in a single place at your home according to your requirement.

Notes Prepared by

All study notes of DEVELOP INDIA GROUP prepared by our expert team and revised time to time. We have published these notes with carefully, but we can't take gaurantee for human as well as printing mistakes. If you want to give your feedback you can write us email : **subscriptiondevelopindia@gmail.com**

Terms & Conditions

If you want to buy any kind of study materials/previous year question papers, you can contact us.

Privacy Policy & Copywrite

All matter compile in this notes from various sources believed to be reliable. We published very carefully to this matter, its authors can not take guarantee the occuracy or completeness of any information published herein and neither Develop India Media Group nor its authors shall be responsible for any errors, omissions or damage arising out of use of this information.
No part of this notes may be reproduce or transemitted without the written permission of the publisher.
@ All right reserved. Refund is not available.
Note : All disputes will respect to this publication shall be subject to jurisdiction of the courts, tribunals and forums of Allahabad, India.

CORPORATE OFFICE

Develop India Media Group

Allahabad (U.P.); India
Mobile : 08756987953
emails : subscriptiondevelopindia@gmail.com, developindiamediagroup@gmail.com
Website : https://developindiagroup.co.in/

Develop India Group

भारतीय अर्थव्यवस्था, वैश्वीकरण और सतत् विकास

राष्ट्रीय आय

राष्ट्रीय आय किसी देश की ओर से एक वर्ष में उत्पादित सभी वस्तुओं और सेवाओं की कीमत है। यहां यह गौर करना जरूरी है कि वस्तुओं और सेवाओं में अंतिम या सिर्फ वही वस्तुएं या सेवाएं ही शामिल हैं, जिनका उपयोग खपत में होता है न कि दोबारा उत्पादन में। राष्ट्रीय आय के आंकड़ों से हम यह जान सकते हैं कि अर्थव्यस्था में विकास हो रहा है या नहीं। अगर राष्ट्र की वास्तविक आय पिछले साल की तुलना में ज्यादा दिख रही है तो इसमें से महंगाई दर को घटा कर हम ग्रोथ की वास्तविक दर पता लगा सकते हैं।

भारत अब दुनिया की छठीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था

विश्व बैंक की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत अब दुनिया की छठी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है. उसने इस मामले में फ्रांस को पीछे छोड़कर यह मुकाम हासिल किया है. वर्ल्ड बैंक के मुताबिक, भारत की ळक्च (सकल घरेलू उत्पाद) वर्ष 2017 के आखिर में 2.597 ट्रिलियन डॉलर (178 लाख करोड़ रुपए) रही, जबकि फ्रांस की 2.582 ट्रिलियन डॉलर (177 लाख करोड़ रुपए) रही. विश्व बैंक ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि मोदी सरकार की तरफ से शुरू किए गए रिफॉर्म्स ने भारतीय अर्थव्यवस्था को रफ्तार दी है.

भारत तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है : वर्ल्ड बैंक ग्लोबल इकोनॉमिक्स प्रॉस्पेक्टस रिपोर्ट के मुताबिक एक दशक में भारत ने अपनी जीडीपी को दोगुना कर दिया है और संभावना जताई जा रही है कि चीन की रफ्तार धीमी पड़ सकती है और एशिया में भारत प्रमुख आर्थिक ताकत के तौर पर उभर सकता है. उम्मीद जताई गई है कि भारत 2032 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है.

उल्लेखनीय है कि भारत की आबादी इस समय 1.34 अरब यानी 134 करोड़ है और यह दुनिया का दूसरी सबसे अधिक आबादी वाला मुल्क बनने की दिशा में अग्रसर है. उधर, फ्रांस की आबादी 6.7 करोड़ है. वर्ल्ड बैंक के आंकड़ों के मुताबिक, फ्रांस की प्रति व्यक्ति जीडीपी भारत से 20 गुना ज्यादा है.

विश्व की आर्थिक स्थिति पर अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की रिपोर्ट

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने विश्व की आर्थिक स्थिति पर 16 जुलाई को एक रिपोर्ट जारी की. इस रिपोर्ट में आईएमएफ ने कहा है कि विकास दर के मामले में भारत सबसे तेज गति से विकास करने वाला देश है. रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत की विकास दर 2017 में 6.7 प्रतिशत थी जो 2018 में 7.3 प्रतिशत और 2019 में 7.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है. दूसरी तरफ चीन की विकास दर 2017 में 6.9 प्रतिशत थी जो 2018 में 6.6 प्रतिशत और 2019 में 6.4 प्रतिशत रहने का अनुमान है. आईएमएफ ने कहा है कि आर्थिक विकास के मामले में भारत चीन को पीछे छोड़ देगा.

प्रति व्यक्ति आय क्या है ?

प्रति व्यक्ति आय वह पैमाना है जिसके जरिए यह पता चलता है कि किसी क्षेत्र में प्रति व्यक्ति की कमाई कितनी है। इससे

Develop India Group

किसी शहर, क्षेत्र या देश में रहने वाले लोगों के रहन–सहन का स्तर और जीवन की गुणवत्ता का पता चलता है। *देश की आमदनी में कुल आबादी को भाग देकर प्रति व्यक्ति आय निकाली* जाती है।

राष्ट्रीय उत्पाद तथा घरेलू उत्पाद से सम्बन्धित धारणाएं

1. ***बाजार कीमत पर सकल घरेलू उत्पाद (GDP_{MP}) :*** किसी वर्ष के दौरान निवासी उत्पादक इकाइयों द्वारा घरेलू सीमा के भीतर उत्पादित अंतिम वस्तुओं तथा सेवाओं का मूल्य या इनके द्वारा उत्पादित वस्तुओं के मूल्य का योग बाजार कीमतों पर सकल घरेलू उत्पाद कहलाता है। उल्लेखनीय है, कि बाजार मूल्य में परोक्ष कर जुड़ा है तथा वस्तु के सम्बन्ध में सरकार द्वारा दी गयी सब्सिडी (यदि कोई है) तो घटा दी गयी है। 'सकल' का आशय यह है कि स्थिर पूँजी का उपभोग जिसे हम ह्रास (depreciation) कहते है। घरेलू उत्पाद के मूल्य में जुड़ा है। इसीलिए इसे हम सकल कहते हैं।

   GDP_{MP} = निवासी उत्पादक इकाइयों का घरेलू सीमा के भीतर उत्पादन में योगदान, जिसमें घरेलू सीमा के भीतर कार्य करने वाली विदेशी उत्पादक इकाइयों की शाखायें भी सम्मिलित हैं।

2. ***बाजार कीमत पर राष्ट्रीय उत्पाद (GNP_{MP}) :*** उत्पाद की किसी धारणा में यदि 'राष्ट्रीय' लगा है तो इसका अर्थ यह होता है कि इसमें घरेलू सीमा के भीतर तथा बाहर दोनों ही सीमाओं में 'निवासी' का योगदान सम्मिलित है। इस प्रकार बाजार कीमत पर राष्ट्रीय उत्पाद किसी वर्ष दौरान निवासी उत्पादक इकाइयों द्वारा घरेलू सीमा के भीतर तथा बाहर उत्पादित वस्तुओं तथा सेवाओं का मूल्य बाजार कीमत पर सकल राष्ट्रीय उत्पाद कहलाता है। इसमें सकल घरेलू उत्पाद की ही तरह परोक्ष कर जुड़ा है तथा सब्सिडीज घटी है तथा इसमें स्थिर पूँजी का उपभोग भी सम्मिलित है।

   इस प्रकार घरेलू उत्पाद (बाजार कीमत पर) में यदि हम निवासी उत्पादक इकाइयों या उत्पादन के निवासी साधनों ने जो घरेलू सीमा से बाहर अर्जित किया उसे जोड़ दें तो बाजार कीमत पर सकल राष्ट्रीय उत्पाद प्राप्त हो जायेगा। अर्थात् $GNP_{MP} = GDP_{MP}$ + विदेशों में अर्जित निवल आय GNP_{MP} = निवासी उत्पादक इकाइयों द्वारा घरेलू सीमा के भीतर तथा बाहर योगदान

3. ***बाजार कीमत पर शुद्ध (निवल) घरेलू उत्पाद तथा शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद की धारणा :*** जब हम उत्पाद की धारणा के साथ शुद्ध का प्रयोग करते हैं तो इसका आशय यह है कि सम्बन्धित 'सकल' मूल्य में स्थिर पूँजी के उपभोग या ह्रास के मूल्य को निकालकर मूल्य ज्ञात करना है। इस प्रकार इसमें अंतिम वस्तुओं के मूल्य में से ह्रास की राशि घटा दी जाती हैं। ऐसी स्थिति में :

   शुद्ध घरेलू उत्पाद (बाजार कीमत पर) = सकल घरेलू उत्पाद (बाजार कीमत) – स्थिर पूँजी का उपभोग या ह्रास।

   शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद = सकल राष्ट्रीय उत्पाद (बाजार कीमत पर) – ह्रास।

4. ***साधन लागत पर सकल घरेलू उत्पाद (GDP_{FC}) तथा साधन लागत पर सकल राष्ट्रीय उत्पाद की धारणा (GNP_{FC}) :*** साधन लागत पर सकल घरेलू उत्पाद (GDP_{MP}) = सकल घरेलू उत्पाद (बाजार कीमत) – (निवल परोक्षकर या परोक्षकर + सब्सिडी)। साधन लागत पर किसी उत्पाद का मूल्य ज्ञात करने के लिए हम बाजार कीमत पर आकलित मूल्य में से निवल परोक्षकर (जो परोक्षकर तथा सब्सिडीज का अन्तर होता है, घटा देते हैं।

   साधन लागत पर सकल राष्ट्रीय उत्पाद = सकल राष्ट्रीय उत्पाद (बाजार कीमत पर) – निवल परोक्षकर।

5. ***साधन लागत पर निवल घरेलू उत्पाद GDP_{FC} तथा साधन लागत पर निवल राष्ट्रीय उत्पाद (NNP_{FC})***

Develop India Group